

अध्याय 15

मैं भी...

प्रश्न-अभ्यास

नाम दो

प्रश्न 1.

चूड़ा बार-बार बत्तख के बच्चे की नकल करता रहता था। उसे चिढ़ानेवाला एक नाम दो।




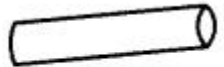
उत्तर :

नकलची चूड़ा।




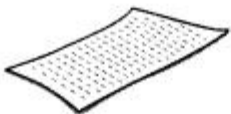



प्रश्न 2.

क्या डूबेगा-क्या तैरेगा?

उत्तर :

			
तैरेगी	डूबेगा	तैरेगा	डूबेगा

करके देखो और निशान लगाओ

चीजें	डूबेगा	तैरेगा
 चॉक	✓	
 पत्थर	✓	
 रुई		✓
 कागज़		✓
 टहनी		✓
 पेंसिल		✓
 छीलनी		✓

दो अंक के प्रश्न और उत्तर

1. प्रश्न: कहानी में बत्तख, मुर्गी, और चूजा के बीच हुई घटनाएं कैसे एक ही रिश्ते को दिखाती हैं?

उत्तर: यह कहानी दिखाती है कि बच्चों के बीच छोटे-मोटे घटनाएं भी उन्हें साथी बना सकती हैं और किसी भी स्थिति में दोस्ती और सहायता की भावना को मजबूत कर सकती हैं।

2. प्रश्न: बत्तख का बच्चा और चूजा में कैसा साथीपन दिखा गया है?

उत्तर: बत्तख का बच्चा और चूजा में साथीपन इस प्रकार दिखाता है कि वे एक दूसरे के साथ हर कार्य में शामिल हो रहे हैं, चाहे वह गड्ढा खोदना हो या तैरना।

3. प्रश्न: चूजा की नकलचीता ने कैसे स्थिति को परिस्थितियों में बदला?

उत्तर: चूजा की नकलचीता ने स्थिति को हास्यास्पद बना दिया और साथ ही साथ बत्तख के बच्चे को भी स्वास्थ्य से बाहर ले आया।

4. प्रश्न: चूजे की दुर्दशा का क्या कारण था जो उसको पानी में डूबने का खतरा हुआ?

उत्तर: चूजे ने बिना जानकारी के और होशियारी के बिना पानी में नहाने का प्रयास किया, जिससे उसका डूबने का खतरा हुआ।

5. प्रश्न: बत्तख के बच्चे ने कैसे चूजे को बाहर निकाला और उसकी बचाव कैसे की?

उत्तर: बत्तख के बच्चे ने बच्चे को बाहर निकालने के लिए अपनी बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन किया और चूजे की जिद से निकलकर उसकी बचाव किया।

6. प्रश्न: कहानी में कौन-कौन से सिख हैं जो हमें दिखाई देती हैं?

उत्तर: यह कहानी हमें दिखाती है कि अकेले व्यक्ति की तुलना में साझा कार्य करना और एक दूसरे की मदद करना किसी भी समस्या को हल करने में मदद कर सकता है।

चार अंक के प्रश्न और उत्तर

1. प्रश्न: इस कहानी में कैसे बत्तख के बच्चा, मुर्गी का चूजा, और चूजा एक-दूसरे के साथ इस कहानी में जुड़े हुए हैं?

उत्तर: इस कहानी में, बत्तख के बच्चा, मुर्गी का चूजा, और चूजा एक-दूसरे के साथ गड्ढा खोदने, तैरने, और खेत में भ्रमण करने में जुड़े हैं। उनके बीच में साथीपन और मजाक की भावना है।

2. प्रश्न: चूजे के कारनामों में आने वाली जो बदलाव कहानी में आया, उसका कैसे वर्णन करें?

उत्तर: चूजे की नकलचीता ने कहानी में दृष्टिकोण बदला। उसके चक्कर में हुए घटनाक्रमों ने हंसी और मनोरंजन को बढ़ावा दिया, जिससे कहानी को और भी रोचक बनाया गया।

3. प्रश्न: बत्तख के बच्चा और चूजा का व्यक्तित्व में कैसा अंतर है?

उत्तर: बत्तख के बच्चा शांत और धीरे-धीरे था, जबकि चूजा जिज्ञासु और नकलची था। इस अंतर से व्यक्तित्व में रिच वेराइटी आती है।

4. प्रश्न: कहानी में जिस तरह से साग तोड़ा और पकाया गया, उसका सिद्धांतिक संदेश क्या है?

उत्तर: साग को तोड़कर और पकाकर खाना एक क्रियात्मक और सत्यप्रेक्ष्यात्मक क्रिया है, जो यह दिखाता है कि हमें अपने कार्यों के लिए तैयारी करनी चाहिए और इन्हें सही रूप से उपयोग करना चाहिए।

5. प्रश्न: कहानी में कैसे बत्तख के बच्चा, मुर्गी का चूजा, और चूजा ने एक दूसरे के साथ मिलकर समस्याओं का हल निकाला?

उत्तर: बत्तख के बच्चा, मुर्गी का चूजा, और चूजा ने एक-दूसरे के साथ मिलकर गड्ढा खोदा, तैरा, और साग तोड़ा और पकाया। उन्होंने आपसी सहायता और

समर्थन के माध्यम से विभिन्न समस्याओं का हल निकाला और एक-दूसरे के साथ साझा करने का मौका बनाया।

सात अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न: इस कहानी में सहायता, समर्थन, और साझा करने का संदेश कैसे दिखाया गया है?

उत्तर: इस कहानी में सहायता, समर्थन, और साझा करने का संदेश विभिन्न प्रसंगों में दिखाया गया है। बत्तख के बच्चा, मुर्गी का चूजा, और चूजा ने मिलकर समस्याओं का हल निकाला और अपने अनुभवों को एक-दूसरे से साझा किया। इससे उन्होंने यह सिखाया कि सबको मिलकर काम करने से आसानी होती है और सहायता करना और सहयोग लेना एक अच्छा तरीका है जीवन की मुश्किलें पार करने का।

प्रश्न: चूजा की नकलचीता कैसे हंसी और मनोरंजन को बढ़ाती है?

उत्तर: चूजा की नकलचीता ने कहानी को हंसी और मनोरंजन से भरा बनाया है। उसके चक्कर में हुए घटनाक्रमों ने पढ़ने वाले को हंसी में डाला और इसे बोरिंग कहानी से बचाया।

प्रश्न: कहानी में साग तोड़ने और पकाने का सिद्धांतिक संदेश क्या है?

उत्तर: साग तोड़ने और पकाने के संदेश से यह दिखाया गया है कि हमें अपने कार्यों के लिए तैयारी करनी चाहिए और इन्हें सही तरीके से समझालना चाहिए। यह सिखाता है कि यदि हम मेहनत करें और सहायता करें, तो हम अपनी मुश्किलें सहन कर सकते हैं और अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

कहानी का सारांश

एक अंडे में से बत्तख का एक बच्चा निकला। उसने निकलकर कहा कि मैं बाहर आ गया। एक और अंडे में से मुर्गी का चूजा निकला। बाहर निकलकर उसने भी कहा कि मैं भी आ गया। अब बत्तख का बच्चा घूमने के लिए जाने लगा तो चूजा भी उसके साथ जाने को तैयार हो गया। बत्तख का बच्चा गड्ढा खोदने लगा तो उसके साथ-साथ चूजा भी गड्ढा खोदने लगा। बत्तख का बच्चा बोला कि मुझे एक केंचुआ मिला तो चूजे ने भी कहा कि मुझे भी एक केंचुआ मिला। अब बत्तख का बच्चा जब तितली पकड़ने लगा तो नकलची चूजा भी तितली पकड़ने लगा। बत्तख का बच्चा जब तैरने के लिए गया तो चूजे ने कहा कि वह भी तैरेगा। किंतु चूजा पानी में नहाने के लिए जाते ही डूबने लगा और 'बचाओ-बचाओ' चिल्लाने लगा। तब बत्तख के बच्चे ने चूजे को बाहर निकाला।

शब्दार्थ : चूजा-मुर्गी का बच्चा। नकलची-दूसरे की नकल करने वाला।